



औडम

वैनामा तादादी - ₹.70,000/- स्पया ।

सरकारी मालियत - ₹.75,000/- स्पया ।

स्टाम्प तादादी - ₹7,500/- स्पया ।

सर्किल रेट - 30,00,000/- स्पया प्रति हेक्टेयर ।

विवरण विक्रीत आराजी - आराजी वाकै मौजा बरौली अहीरतहसील 6 जिला

महममनासिह

पु. सु. वा. अ.

दिनांक 29-7-05

विषय: सुनिश्चित निधि
किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-

किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-
वि.सं. 50000 मु.सं. 201 को.सं. 50000 800

94
70

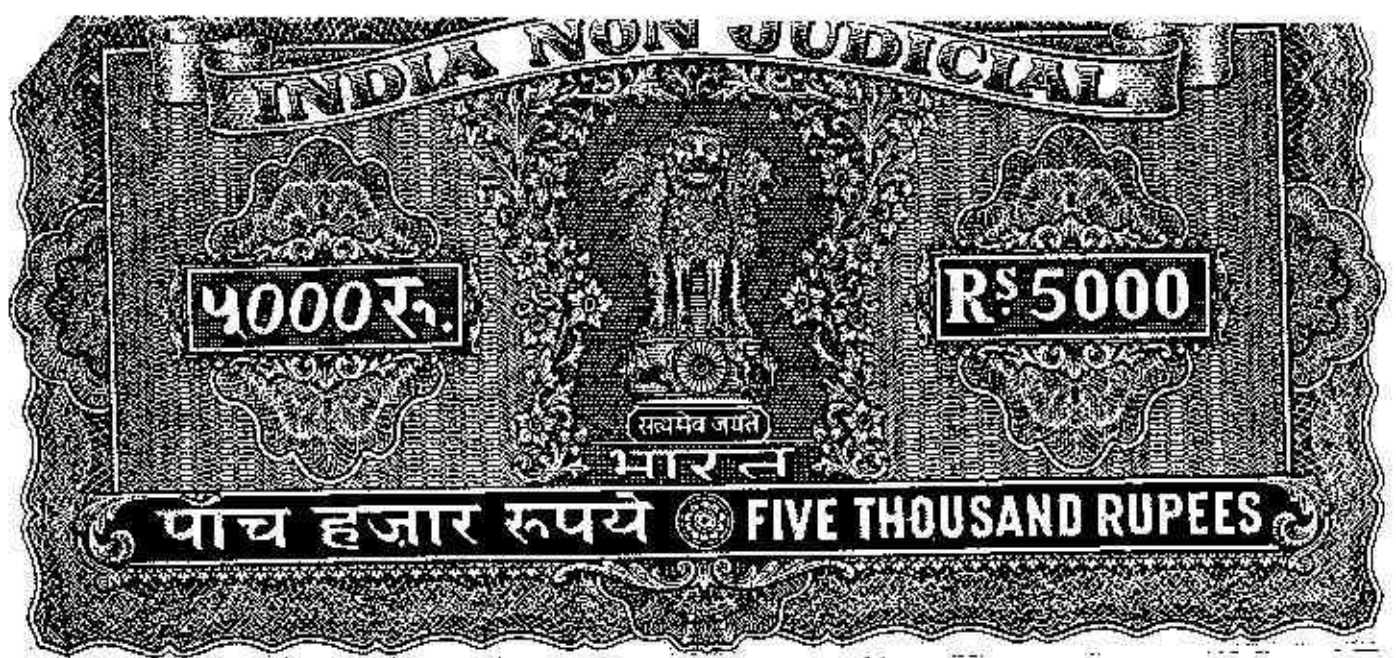
किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-
वि.सं. 50000 मु.सं. 201 को.सं. 50000 800

किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-
वि.सं. 50000 मु.सं. 201 को.सं. 50000 800

किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-
वि.सं. 50000 मु.सं. 201 को.सं. 50000 800

किसम दस्तावेज: 370,000/-
355000/-
वि.सं. 50000 मु.सं. 201 को.सं. 50000 800

6264



121

आगरा खाता नंबर 536 खतरा नंबर 871 व 872 व 873 व 874 में से अपनी अवशेष आराजी रकवाई 0.181 हेक्टेयर में से आराजी रकवाई 0.0720 हेक्टेयर लगानी मुताबिक खतौनी जो कृषिकीय भूमि है जिसके आसपास 200 मीटर की परिधि में खेती होरही है जिसमें कोई पेड द्युवेल व आवादी नहीं है तथा विक्रेता व क्रेता अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं है जो आगरा से विकास खण्ड की ओर हैं ।

विक्रेता - लक्ष्मण सिंह पुत्र मेघसिंह निवासी ग्राम बरौली अहीरतहसील व जिला आगरा ।

क्रेता - मुस्कान विन्डकॉन प्रा० लि० कमलानगर आगरा द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि श्री यशवीर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह निवासी गणेशनगर आगरा ।

लक्ष्मण सिंह

मुस्कान विन्डकॉन प्रा० लि०



जनिक हुनार श्रीवास्तव
21-06-2005
गौरी विनोद, आगरा

131

मैं कि लक्ष्मण सिंह पुत्र मेघसिंह निवासी ग्राम बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा का हूँ।

जो कि आराजी वाकै मौजा बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा खातानंबर 536 खसरा नंबर 871 व 872 व 873 व 874 में से अपनी अवशेष आराजी रकबई 0.481 हेक्टेयर लगानी मुताबिक खतौनी का मैमुकिर तनहा मालिक हूँ शेष आराजी अपना हिस्सा मैंने पेशावर विध्य कर दिया है और अब मुझे अपनी अवशेष बची हुई उक्त आराजी की वाचत पूर्ण हक मालिकाना मिलि वैय वगैराहर किस्म के तनहाहातिल हैं। सिवाय मेरे अन्यकोई हकदार व हिस्सेदार वगैराकिसी तरह का उक्त शेष आराजी में नहीं है जो बाने किसी तरह के ईतकाल वगैराकाहोवे और उक्त आराजी आज तक हरप्रकार के करजे व वार व ईतालात व जुमला देनदारियों व जिम्मेदारियों वगैराते कतई तौर पर पाक वसाफ हैजिसका कोई इकरारनामा किसी के हक में नहीं

लक्ष्मण सिंह

अराजी



अमित कुमार श्रीवास्तव
21 JUL 2005
कोषाधिकारी, आगरा

/4/

किया गया है अब मुझको अपनी अवशेष आराजी रकवाई 0.181 हेक्टेयर में से आराजी रकवाई 0.0720 हेक्टेयर का विक्रय करना वास्ते जरूरत खुद व मिलने माकूल कीमत वक्त मौजूदा के मंजूर है ।

लिहाजा मैंने उपरोक्त आराजी में से आराजी रकवाई 0.0720 हेक्टेयर मंजूर को अपनी राजी व खुशगी से विलावहकाये लिखाये विलादवाबकिती नाजायज के मय जुमला हक हकूक दाखिली व खारिजी के विल एवज मुसलिम 3,70,000 रु- तीन लाख सत्तर हजार रुपया कि आये जितके मुसलिम 1,85,000/- एक लाख पच्चासी हजार रुपया होते हैं वदस्त मुस्कान विल्डकॉन प्रा० लि० कमलानगर आगरा द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि श्री यशवीर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह निवासी गणेश नगर आगरा को वैय कतई की और बेवदी

लक्ष्मण सिंह



अमित कुमार श्रीवस्तव

21 JUL 2005

कोषाधिकारी, आगरा

/5/

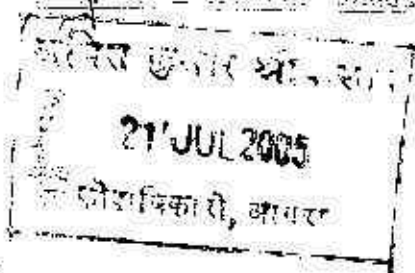
कीमत का कुल रूपया मैंने खरीदार से नकद वक्त रजिस्टरी वैनामाहाजा रोवरु श्रीमान तब रजिस्ट्रार ताहब आगरा के वसूल पानातथ करार पाया है अब वाचत जरेतमन मजकूर मेरा खरीदार से कीमत में कुछ पाना शेष नहीं रहा न भविष्य में होगा लिहाजा कब्जा व दखल वाकई खाली विक्रीत आराजी परआज की तारीख से खरीदार का करादिया और खरीदारको विक्रीत आराजी का तनहा मालिक कामिल काविज व दखील बनादिया अब खरीदारको अधिकार हैकि वह विक्रीत आराजी से वहेतियत मालिक चाहे जैसे ताभान्वित होवे कुल अहत्यारात निस्वत विक्रीत आराजी मजकूर तनहा खरीदारको हक मालिकाना



07 JUL 2005

अमित कुमार श्रीवस्तव





16/

हासिल है और आर्यदा रहेने खरीदार अपने नाम का दाखिल खारिज कागजात सरकारी में जरिए वैनामादाजा के दर्ज करालेवे ।

अगर तानी ठलहाल कोई वारित या दावेदारकीमी या खानदानी या नीज दीगरकिली तरह का क्मिलतदार विक्कीत आराजी में पैदाहोकर दावा व झगडा खरीदारते करें या उसकी वजह याकिली दीगर वजह से विक्कीत आराजी का जुज व कुल कब्जा व दखल खरीदारते निकल जावें



लक्ष्मण/सिंह

अरवि/सिंह



4834

न्याय और अविरोध
1 JUL 2005
कोलकाता, भारत

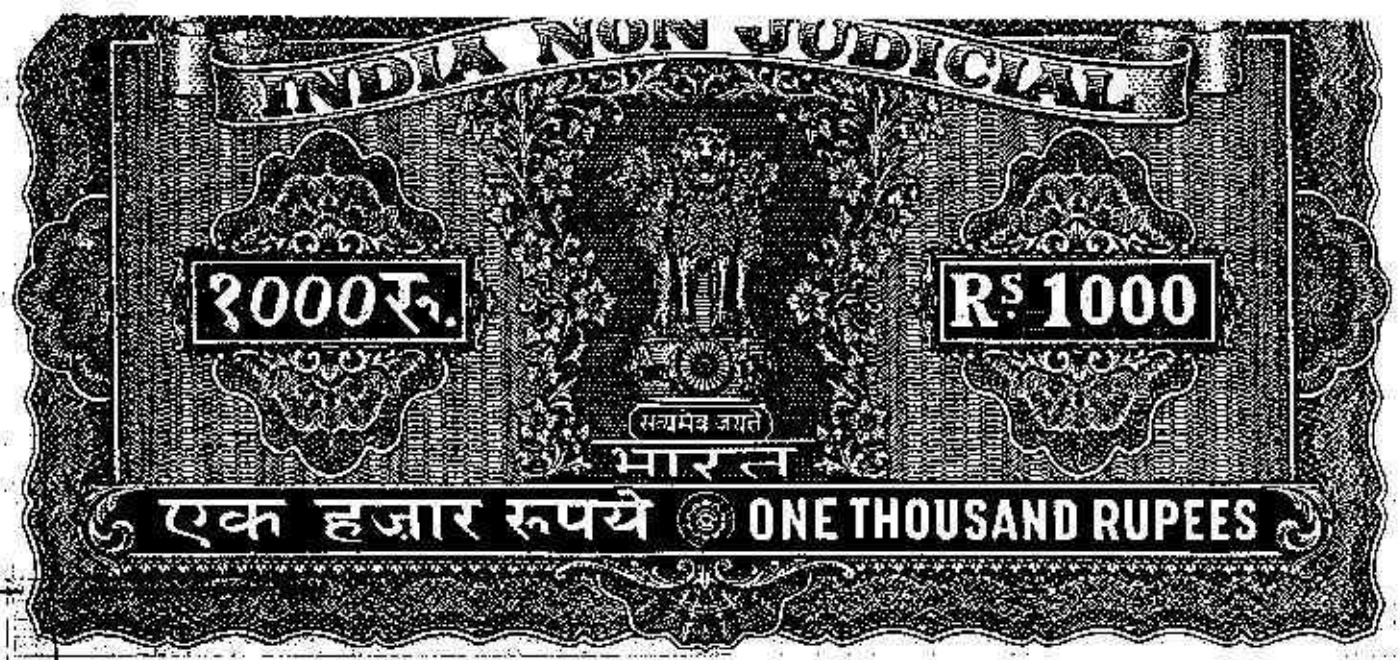
171

तो ऐसी ज़ुलमासूरतों में उसकुल की जवाबदेही व जिम्मेदारी व अदायगी
जरेतमन मजकूर मय सुदहरजा व खरघा व लागत के जिम्मे जातख़ास व जाय-
दाद मजकूला व गैर मजकूला हर किरम मिनवाया व ारिसान वकायम
मुकामान मिनवाया के है और होगा खरीदार अपना कुल स्थया जरिस्अदालत
वसूल कर लेवे इसमें कुछ उग्र नहीं होगा ।

परमेश्वर

लक्ष्मणारिड

5422



अमित कुमार श्री गम्त

23 JUL 2005

मो. बिकारी, आगरा

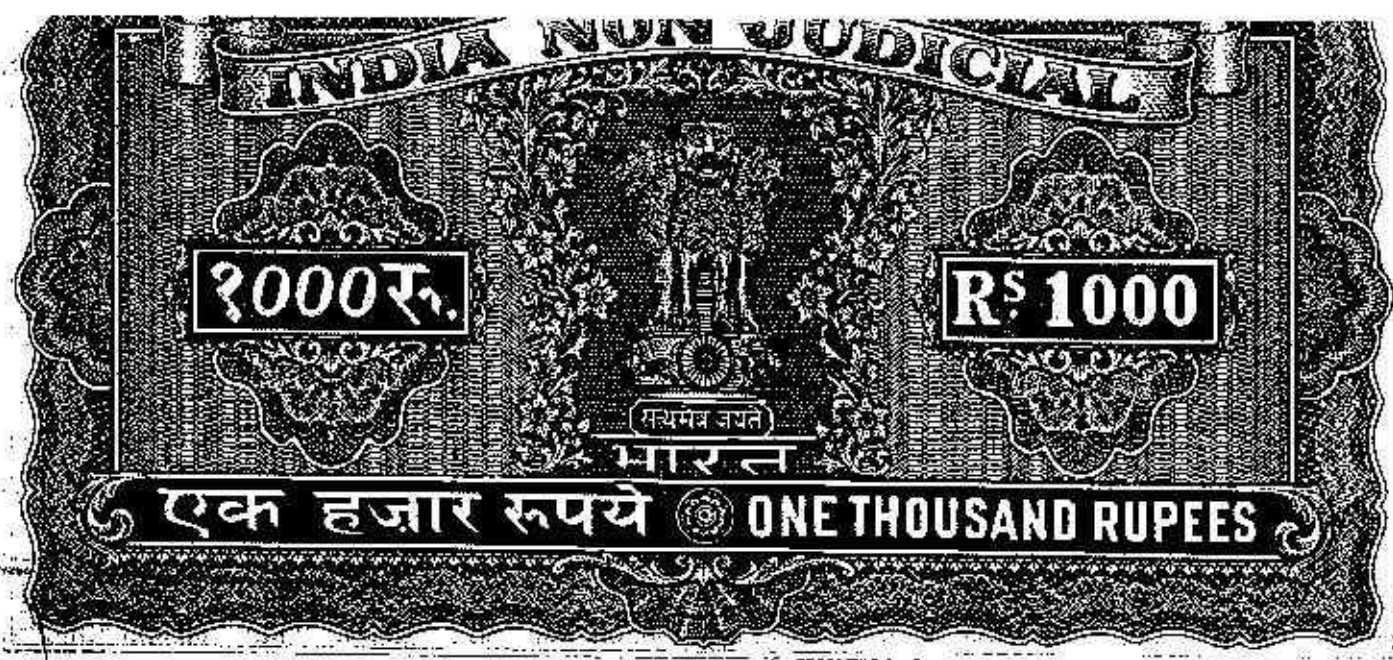
/8/

उपरोक्त ग्राम में आराजी की सर्किल रेट 30,00,000/- रुपया प्रति हेक्टेयर निर्धारित है जो कृषिणीय भूमि है जिसपर नियमानुसार स्टाम्प अदा किया गया है तथा स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का उल्लंघन नहीं किया गया है।

नोट- परत एक की सतर एक में 3,70,000/- रुपया व सतर 2 में 3,75,000/- रुपया व सतर 3 में 37,500/- रुपया गट्टे टाइन है व परत 2 की सतर 2 में 0.0720 हेक्टेयर गट्टे टाइन है जो स्वीकार है।

अमित कुमार श्री गम्त

अमित कुमार श्री गम्त



3423

प्रति श्री सुभाष चंद्र शर्मा
28 JUN 2005
श्री 11/11/05, नगर

/9/

लिहाजायह पैनामा लिख दिया कि तनद रहे और तमपरकाम
आवे तहरीर तारीख 29/7/2005 ई0 व मसौदा दिनेश कुमार बंसल वसी का
नवीन तहसील सदर आगरा व टाडप वाई सुरेश कुमार तहसील परिसर आगरा
व इकरार मुक्ति के तहरीर किया गया । नोट- परत 5 की सतर 3 में शब्द



लक्ष्मण सिंह

[Handwritten signature]



/10/

नहीं गंदाटाझ है जो हवीकार है तहरीर तारीख सन सदर ।

विषय का नाम-विषय हुनार बंसन
 सादरों ५००
 मास्य सन २००५
 केका हुनार
 केका हुनार



लक्षमणा सिंह पुरावत



शिवजी साहेबजी ५६० श्री गुरुदेव

वि० बरोली तहरीर कारवा
 ५-५-२००५

शिवजी साहेबजी ५६० श्री गुरुदेव

वि० बरोली तहरीर कारवा

ABD

55

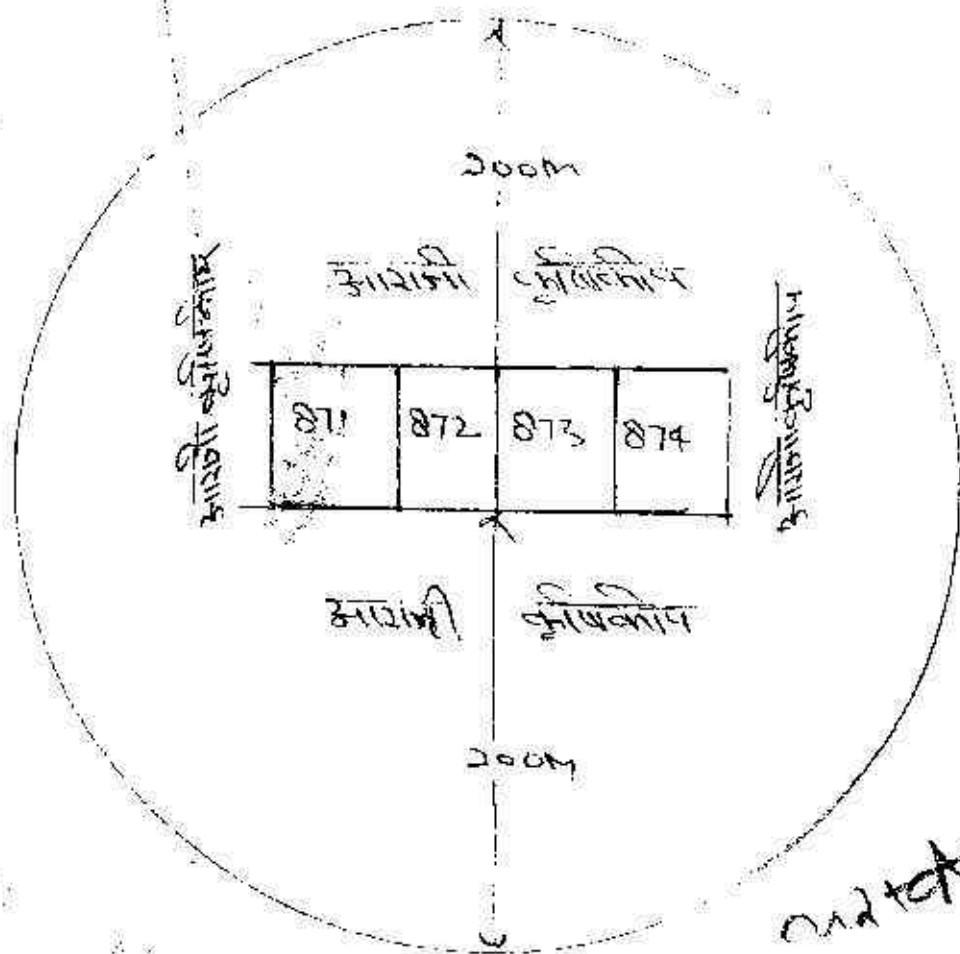
खिम्प नं. 871, 872, 873, 874 में हैं इनका अतिरिक्त अंश

0.181 है यह अंश धीरे-धीरे बढ़ेगा

विशेष: लक्ष्मण सिंह पुत्र मधुसूदन

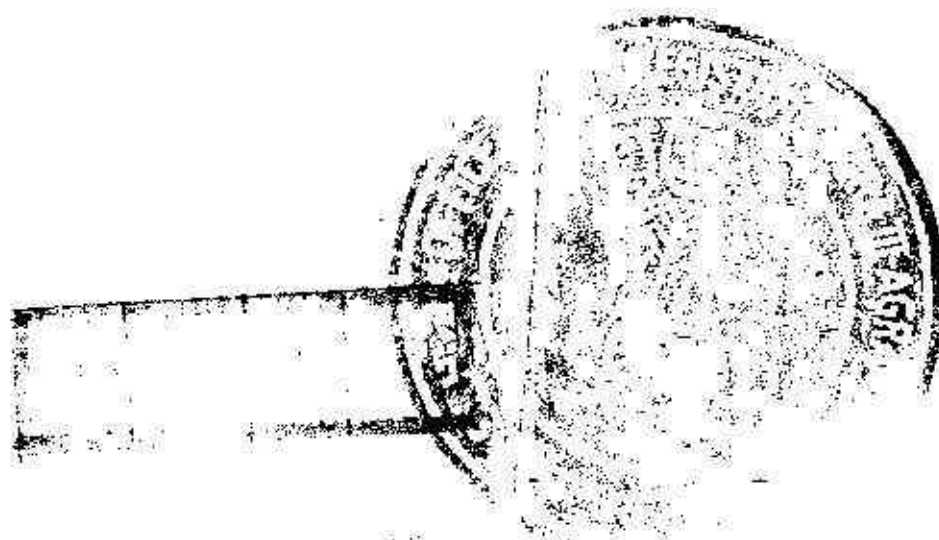
पुत्र: सुखानंद बिलखाना गा. नि. द्वारा अतिरिक्त

पंजीयन दर्शाया है



महेश्वर

लक्ष्मण सिंह है



I 433 83
3088 104
20-7-15
मार्ग